Name - Rahul Goyal
पेपर → पेपर - I
Date - 28-03-22

प्रश्न 1.1

उत्तर हुलास एक हड़प्पा कालीन स्थल है। यह सहारनपुर (उ.प्र.) मे स्थित है।

प्रश्न 1.2

उत्तर वेदो को आमजन की समझ के लिए वेदांग की रचना की गई जिनकी संख्या 6 है - शिक्षा कल्प, निरूक्त, व्याकरण, छंद और ज्योतिष।

प्रश्न 1.3

उत्तर महायान के बुद्ध अनुयायीयों के लिए भगवान स्वरूप है। महायानी मूर्तिपूजा करते हैं। इनका परम आदर्श बोधिसत्व होता है।

प्रश्न 1.4

उत्तर जियाउद्दीन बरनी को मुहम्मद बिन तुगलक और फिरोजशाह तुगलक का राज्याश्रय प्राप्त था। इसकी प्रमुख रचना तारीख ए - फिरोजशाही है।

प्रश्न 1.5

उत्तर अब्दुल रज्जाक ईरान के राजा शाहरूख का राजदूत था जो देवराय द्वितीय के समय विजयनगर आया था।

प्र 1.6

उ अलाउद्दीन मसूदशाह मामलूक वंश का सुल्तान था। इसने एक नया पद नाईब-ए-मुमालिकात सृजित किया।

प्र 1.7

उ तेभागा आंदोलन उत्तरी बंगाल का किसान आंदोलन था (1946) जो बटाईदारों के विरुद्ध था। प्रमुख नेतृत्व कर्ता कम्पाराम और अवनलिंह थे।

प्र 1.8

उ देवबंद स्कूल इस्लामिक शिक्षा देने के लिए स्थापित किये गये थे।

प्र 1.9

उ मद्रास महाजन सभा की स्थापना 1884 में की गई। संस्थापक - वी राघवाचारि, सुब्रमण्यम अय्यर और पी-आनंदचार्लू थे।

प्र 1.10

उ रुद्रप्रताप बुंदेला बुंदेला वंश के ~~संस्थ~~ संस्थापक थे इन्होने 1531 में ओरसा नगर बेतवा नदी के तट पर बसाया।

प्रश्न 1.11

उत्तर मोती मस्जिद भोपाल में स्थित है जिसका निर्माण 1860 ई में सिकंदर जहाँ बेगम ने करवाया था।

प्रश्न 1.12

उत्तर रायसेन की संधि 26 फरवरी 1818 मे हुई इसके तहत सीहोर में ब्रिटिश छावनी खोली जावेगी और जिसका व्यय भोपाल रियासत वहन करेगी।

प्रश्न 1.13

उत्तर पन्ना ~~कि~~ रियासत के संस्थापक बुंदेला केसरी छत्रसाल थे। इन्होंने पन्ना को राजधानी बनाया बाद हृदयशाह, किशोर शाह आदि शासक हुए।

प्रश्न 1.14

उत्तर रामनगर संस्कृत अभिलेख से गोंडवाना रियासत की जानकारी प्राप्त होती है।

प्रश्न 1.15

उत्तर दौलतराव सिंधिया (1794-1827 ई) सिंधिया वंश के शासक थे। उपाधि - अलिजाह, और अमीर-उल-उमरा। 1810 मे ग्वालियर को ~~राज~~ राजधानी बनाया।

प्रश्न 2.1

उत्तर वर्ष 1911 में इंग्लैण्ड के राजा जॉर्ज पंचम और महारानी मैरी के राज्याभिषेक होने के अवसर पर भारत में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। एक तरफ जहाँ भारतीय जनता गरीबी व भुखमरी से पीड़ित थी वहीं दूसरी ओर दिल्ली दरबार लाखों रूपये खर्च किये जा रहे थे। इस भारत का वायसराय लार्ड हार्डिंग था। इसी दरबार के दौरान बंगाल विभाजन को रद्द किया गया और भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित किया गया।

प्रश्न 2.2

उत्तर 1917 में अहमदाबाद मे प्लेग फैलने से मिल मजदूरो का पलायन शुरू हो गया जिसे रोकने हेतु मिल मालिको ने प्लेग बोनस देना प्रारंभ कर दिया। प्लेग समाप्त होने मिल मालिक इसे समाप्त करना चाहते थे जबकि प्रथम विश्वयुद्ध से देश में महंगाई थी। अतः मिल श्रमिक बोनस समाप्त न किये जाने व वेतन वृद्धि (50%) की मांग कर रहे थे। उनका साथ अनसूया बेन साराभाई कर रही, इन्होने गांधी जी को आमंत्रित किया। गांधी जी भूख हड़ताल प्रारंभ किया अतः मिल मालिकों का वेतन मे 35% की वृद्धि करनी पड़ी।

प्रश्न 2.3

उत्तर भारत पर अरब आक्रमण का प्रथम प्रयास 636 ई में मुम्बई पर हुआ जो असफल रहा।
712 ई में मुहम्मद कासिम ने सिंध पर सफल आक्रमण किया इसकी जानकारी चचनामा से मिलती है। सिंध का शासक दाहिर पराजित हुआ और अरबों ने सिंध पर शासन किया।
यहाँ कासिम ने जजिया कर लगया है।
अरब सिंध से आगे नहीं बढ़ पाये क्योंकि उस समय भारत में उन्हें चुनौती देने वाली तीन बड़ी शक्तियाँ थी - कन्नौज में गुर्जर प्रतिहार, कश्मीर में ललितादित्य, गुजरात चालुक्य

प्रश्न 2.4

उत्तर दिल्ली सल्तनत पर गुलाम वंश ने 84 वर्षों तक शासन किया (1206 से 1290 तक) इसके पतन के निम्नलिखित कारण थे -

① विदेशी शासन जिसे भारतीयों ने स्वीकार नहीं किया
② उत्तराधिकारी का कोई निश्चित नियम न होना।
③ अमीर वर्ग की महत्वकांक्षाएं।
④ अयोग्य उत्तराधिकारी जैसे कैकुबाद, क्युमर्स।
⑤ मंगोलों का आक्रमण
⑥ तुर्क अमीरों की दुर्बलता (बलबन ने इन्हें समाप्त करदिया था)। आदि।

प्रश्न 2.5

पू.अं.-05

प्राप्तांक

उत्तर ऋग्वैदिक कालीन भौगोलिक स्थिति की जानकारी ऋग्वेद में उल्लेखित पर्वतो व नदियो के नाम से ज्ञात होती है। ऋग्वेद में हिमालय पर्वत, कैलाश पर्वत का नाम स्पष्ट उल्लेखित साथ ही सिंधु नदी का सर्वाधिक उल्लेख किया है तथा गंगा, सरस्वति (सबसे पवित्र माना गया), वितस्ता (झेलम), परूष्णी (रावी), शतुद्रि, अस्किनी (चिनाब), विपाशा (व्यास), दृषद्वती (घग्घर) नदीयो का उल्लेख है अर्थात यह सप्त सैंधव क्षेत्र के निवासी थे।

प्रश्न 2.6

पू.अं.-05

प्राप्तांक

उत्तर हर्यक वंश का संस्थापक बिंबिसार था (544 ई.पू.)। गिरिव्रज को राजधानी बनाया। पडोसी राज्यो से मैत्रिपूर्ण संबंध बनाये, चण्डप्रद्योत (अवंति शासक) को चिकित्सकिय सहायता दी। अजातशत्रु बिंबिसार की हत्या कर अगला शासक बना, वैशाली राज्य को जीता, इसके पुत्र उदायिन ने इसकी हत्या कर शासक बना, पाटलीपुत्र (कुसुमपुर) शहर बसाया, इसके पुत्र नंदिवर्धन ने इसकी हत्या कर शासक बना। अंतिम शासक नागदशक था (412 ई.पू.) जिसकी हत्या शिशुनाग ने करदी और नागवंश शुरू किया।

प्रश्न 2.7

उत्तर अजयगढ़ रियासत का संस्थापक गुमान सिंह बुंदेला था। यह रियासत पन्ना जिले में स्थित थी। 1857 के विद्रोह के दौरान इस रियासत ने अंग्रेजों का साथ दिया। स्वतंत्रता के पश्चात इसे भारत संघ में मिला लिया गया।

प्रश्न 2.8

उत्तर गोंडवाना रियासत में स्थापत्य कला का पर्याप्त विकास हुआ है इसके उदाहरण इस प्रकार है जैसे -

निम्नलिखित

- सिंगौरगढ़ का दुर्ग (दमोह) → संग्रामशाह
- चौरागढ़ दुर्ग (नरसिंहपुर → संग्रामशाह
- मदन महल (जबलपुर) → मदन शाह
- मण्डला दुर्ग (मण्डला) → नरेन्द्रशाह
- राजराजेश्वर व विष्णु मंदिर (रामनगर) → हृदयशाह
- पचपठा मंदिर (जबलपुर) - रानी दुर्गावती
- संग्रामसागर (जबलपुर) - संग्रामशाह
- गंगासागर (रामनगर) - हृदयशाह (आदि)

प्रश्न 2.9

उत्तर म०प्र. में विभिन्न शिल्पकलाओं का विकास हुआ है जिनका वर्णन निम्नलिखित है-

- साड़ी शिल्पकला → चंदेरी, महेश्वर
- बाघप्रिंट → धार
- जरी का काम → भोपाल
- खराद शिल्प → बुधनी घाट (सीहोर), रीवा आदि।
- छीपा शिल्पकला → कुक्षी (धार)

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य में बांस से टोकरी, डलिया, आदि, मिट्टी के बर्तन, धातु व पत्थरों की मूर्ति, कंघी शिल्पकला, भैरवप्रिंट-उज्जैन आदि।

प्रश्न 2.10

उत्तर म०प्र० में कोई भी शास्त्रीय नृत्य नहीं है जबकि लोक नृत्य अवश्य है जिनका उल्लेख इस प्रकार है -

(1) राई नृत्य - बुंदेलखण्ड में बेड़िया जनजाति की महिलाएं करती है।
(2) गरबा नृत्य → यह मालवा में नवरात्रि के समय।
(3) गणगौर नृत्य → निमाड़ अंचल में।
(4) मटकी नृत्य → मालवा में महिलाओं द्वारा।
(5) बिरहा / अहिराई नृत्य → बुंदेलखण्ड में।
(6) ढिमराई नृत्य → बुंदेलखण्ड।

8.1

ज्वालामुखी का तात्पर्य उस छिद्र या दरार से होता है जिससे होकर गर्म लावा, गैस, धूल आदि निकलते हैं ज्वालामुखी विभिन्न प्रकार की स्थलाकृतियों का निर्माण करते हैं।

(A) धरातल के बाहर की स्थलाकृतियाँ

(A.1) केन्द्रीय विस्फोट द्वारा निर्मित

(A.1.1) ऊँचे उठे भाग -

(I) ज्वालामुखी शंकु → ज्वालामुखी से लावा, तीव्र गैसे, वाष्प विखंडित पदार्थों के जमाव से ज्वालामुखी शंकु का निर्माण होता है।

(II) लावा गुंबद → यह ज्वालामुखी छिद्र के चारों ओर लावा के जमाव से होता है ये शंकु की तुलना में अधिक विस्तृत होते हैं एवं इसका ढाल अधिक तीव्र होता है।

(III) ज्वालामुखी डाट ⇒ यह ज्वालामुखी के शांत हो जाने पर उसके छिद्र मे लावा भर जाने से बनता है। ज्वालामुखी शंकु के अपरदन के बाद यह डाट या डॉट स्पष्ट रूप से दिखने लगता है।

(IV) बायट्रम → ज्वालामुखी के पाइप में ब्रेसिया भर जाने से बनते हैं।

(A.1.2) ~~ऊँचे उठे भाग~~ ⇒ नीचे धसे भाग

(I) क्रेटर → ज्वालामुखी के शीर्ष स्थित कीपाकार भाग को क्रेटर कहते हैं। इसमें पानी भरने से क्रेटर झील बनती है।

(II) काल्डेरा → यह क्रेटर का विस्तृत रूप है। यह क्रेटर के धसने से या तीव्र ज्वालामुखी विस्फोट से बनता है।

(A.2) दरारी उद्भेदन से निर्मित स्थलाकृति

(I) लावा का पठार - इसमे लावा लम्बी दरार से धरातल पर फैल जाने से यह बनता है। जैसे - मालवा का पठार, दक्कन का पठार आदि।

(B)
आंतरिक स्थलाकृतियां - जब ज्वालामुखी उद्गार के समय गैस एवं वाष्प की तीव्रता में कमी होती है तो मेग्मा धरातल के ऊपर न आकर धरातल के नीचे की दरारों में प्रविष्ट कर ठोस रूप धारण करलेता है वास्तव में यह चट्टानों के विभिन्न रूप है प्रकार नहीं।
जैसे बैंकोलिथ, फ्लैकोलिथ, लोपोलिथ, सिल, शीट, डाइक, लैकोलिथ।

3.2 सरदार सरोवर बांध के निर्माण का सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1945 में गुजरात में किसानो के सिंचाई व्यवस्था हेतु दिया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 7 अप्रैल 1961 को गुजरात के भरूच के गोरा गांव में सरदार सरोवर परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना नर्मदा नदी पर स्थित है।

यह परियोजना कभी जल विवाद तो कभी विस्थापन समस्या को लेकर विवादित रही। म०प्र० व गुजरात के मध्य जल बटवारे की समस्या पर खोसला समिती (1964) का गठन किया गया परन्तु इससे विवाद नही सुलझा।
1969 में नर्मदा नदी जल न्यायाधिकरण का गठन किया जिसने अपनी रिपोर्ट 1979 में प्रस्तुत की जिसमे बांध की ऊँचाई 138.68 मी करने का निर्णय दिया किन्तु इस ऊँचाई पर म.प्र. ने आपत्ति दर्ज की और मामला सर्वोच्च न्यायालय मे चला गया।

1981 मे गठित नर्मदा विकास प्राधिकरण ने बांध की ऊँचाई 121.92 मी करने को कहा। 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने बांध की ऊँचाई 138.68 मी तथा लम्बाई 1210 मी करने का आदेश दिया।

इस प्रकार बांध का निर्माण पूर्ण हुआ एवं 17 सितम्बर 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार सरोवर बांध राष्ट्र को समर्पित किया।

इस परियोजना से म.प्र., गुजरात, महाराष्ट्र तथा राजस्थान राज्य लाभान्वित होंगे। इस बांध से सिंचाई हेतु निकली नहरों से 18.45 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इन नहरो का सर्वाधिक लाभ गुजरात को होगा।
बांध पर जल विद्युत संयंत्र स्थापित किये जायेंगे जिनकी उत्पादन समता 6000 मेगावाट होगी। इससे उत्पन्न बिजली का बटवारा गुजरात, म.प्र. महाराष्ट्र के मध्य क्रमशः 16%, 57%, 27% से किया जावेगा। राजस्थान को केवल सिंचाई हेतु जल मिलेगा।

Q.3 म.प्र. देश का सर्वाधिक जनसंख्या अनुसूचित जनजाति वाला राज्य है। जनजातियों की अपनी संस्कृति, जीवनशैली परंपराये होती है। वर्तमान में उनके समक्ष अनेक समस्याऐं है जिनमें से कुछ निम्नलिखित है -

1) पलायन की समस्या → वर्तमान में जनजातिय लोगों को आजीविका की तलाश में, जंगलों से बेदखल कर देने से उन्हे पलायन करना पड़रहा है

2) निवास क्षेत्र की समस्या → अधिकांशतः आदिवासी जंगलो मे निवास करते है, जंगलो के समाप्त होने से उनका निवास क्षेत्र समाप्त हो रहा है।

(3) पुनर्वास की समस्या → विकास की विभिन्न परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण की जाती है परन्तु विस्थापितों का उचित पुनर्वास नही किया जाता। जैसे इंदिरा गांधी बांध के डूब क्षेत्र से विस्थापितों का सही से पुनर्वास नहीं किया गया।

(4) अशिक्षा - अनुसूचित जनजाति मे निम्न साक्षरता दर है।

(5) जोर- जागरूकता → इसके चले अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते।

कुपोषण → राज्य की अधिकांश जनजातियों में कुपोषण की गंभीर समस्या विद्यमान है जैसे सहरिया जनजाति।

रोजगार की समस्या → जनजातियों के परंपरागत रोजगार के साधन जैसे शिकार करना आदि के समाप्त हो जाने से रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

अतः उपरोक्त समस्याओं के चलते सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्थान हेतु अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही है जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं-

(i) विद्यार्थी कल्याण योजनाएं।
(ii) भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना।
(iii) अनुसूचित जाति राहत योजना (2015)
(iv) आवास सहायता योजना
(v) महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन योजना
(vi) ग्रामीण उन्नयन योजना
(vii) सावित्री बाई फुले स्वयं सहायता समूह योजना
(viii) कन्या साक्षरता स्वरोजगार योजना
(ix) मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना
(x) सीएम कौशल उन्नयन शिक्षण योजना

उपरोक्त के अतिरिक्त अनेक योजनाएं अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए संचालित हैं। इनका समुचित लाभ तभी मिलेगा जब इनका पारदर्शिता के साथ प्रभावी क्रियान्वयन किया जावेगा।

उ.5 सुदूर संवेदन तकनीक - सूर्य विभिन्न प्रकार के विकिरण उत्सर्जित करता है। जैसे पराबैंगनी दृश्य, अवरक्त। परन्तु वायुमण्डल में ओजोन परत पराबैंगनी किरणों का अवशोषण कर लेती है अत: पृथ्वी सतह तक दृश्य व अवरक्त विकिरण पहुचती हैं जो सतह से टकराकर कुछ मात्रा में अवशोषित हो जाते हैं तथा शेष अधिक तरंगदैर्ध्य के साथ वापस लौट जाती है अर्थात ट्रांसमिट हो जाती है। इन्ही परावर्तित तथा ट्रांसमिट विकिरणों का उपयोग सुदूर संवेदन उपग्रह रिमोट सेंसिंग हेतु करते है। इसके अलावा कुछ उपग्रह स्वयं विद्युत चुंबकीय विकिरण उत्सर्जित करते है तथा जब वे पृथ्वी से टकराकर परावर्तित होते हैं तो इन परावर्तित विकिरणों का प्रयोग वे रिमोट सेंसिंग हेतु करते हैं, रिमोट सेंसिंग उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में स्थापित किये जाते हैं। रिमोट सेंसिंग को निम्न दो भागों में बांटा गया है -

- सक्रिय रिमोट सेंसिंग - इसमे उपग्रह माइक्रोवेव ट्रांसमिट करते है तथा पृथ्वी की सतह से परावर्तित 'माइक्रोवेव' का उपयोग रिमोट सेंसिंग हेतु करते हैं। माइक्रोवेव बादलो को पार कर जाते हैं। अत: खराब मौसम मे प्रयुक्त कर सकते है। इन उपग्रहों में सिंथेटिक अपर्चर रडार लगा होता है। ऐसे भारतीय उपग्रह RISAT-1, RISAT-2 इत्यादि हैं।

- निष्क्रिय रिमोट सेंसिंग → इस रिमोट सेंसिंग के उपग्रह पृथ्वी की सतह से परावर्तित तथा ट्रांसमिट दृश्य तथा अवरक्त विकिरण का प्रयोग रिमोट सेंसिंग के लिए करते है। इनका उपयोग मानचित्रण, संसाधनों के प्रबंधन हेतु, मौसम अध्ययन आदि के लिए किया जाता है। ऐसे भारतीय उपग्रह - कार्टोसेट, ओशियनसैट, रिसोर्ससैट आदि हैं।

B3 Books

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/एक पंक्ति होगी। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

Part-B

प्रश्न 1.1 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर छोटा नागपुर का पठार मुख्य रूप से झारखण्ड मे स्थित हैं। यहाँ बिभिन्न खनिज तत्व पाये जाते है। इसे भारत का रूर प्रदेश कहते है।

प्रश्न 1.2 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर तेलंगाना का पठार तेलंगाना राज्य मे स्थित हैं यह ग्रेनाइट नीस जैसी चट्टानो से बना है। यहां विभिन्न खनिज तत्व पाये जाते हैं

प्रश्न 1.3 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर लोकटक झील मणिपुर मे स्थित है यह तैरते उद्यान किबु लाम जाओ के लिए विश्वप्रसिद्ध है।

प्रश्न 1.4 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर ध्वनि स्रोत और प्रेक्षक की सापेक्षिक गति के कारण ध्वनि की आवृत्ति में परिवर्तन को ही डोपलर विस्थापन कहते हैं।

प्रश्न 1.5 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर जोवियन ग्रह को बाह्य ग्रह या गैसीय ग्रह भी कहते हैं। इनकी संरचना बृहस्पति के समान है ये मंगल ग्रह के बाद के ग्रह हैं।

प्रश्न 1.6

उत्तर कील नहर विश्व की सबसे व्यस्ततम नहर है यह बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोडती है।

प्रश्न 1.7

उत्तर विवेकानन्द समूह योजना 2005 मे ~~प्र~~ दुर्घटना बीमा देने हेतु प्रारंभ की गई थी।

प्रश्न 1.8

उत्तर पंचपरमेश्वर योजना म.प्र. राज्य मे पंचायतो को कार्य हेतु धनराशि देने हेतु प्रारंभ की गई। साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल भी लॉन्च किया गया

प्रश्न 1.9

उत्तर सद्भावना चोटी विंध्यांचल की सबसे ऊँची (752 मी.) चोटी है जो दमोह मे स्थित है।

प्रश्न 1.10

उत्तर म.प्र. का चूना पत्थर के भण्डार ~~व~~ उत्पादन मे देश मे द्वितीय स्थान है। कटनी जिला का मुड़वारा क्षेत्र चूना पत्थर के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 1.11 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर प्राकृतिक आपदा के समय राहत कार्यों के प्रभाव कार्यान्वयन और समन्वय हेतु गठित समिति है। इसका प्रमुख केन्द्रीय कैबिनेट सचिव होता है।

प्रश्न 1.12 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर कार्मन लाइन पृथ्वी के वायुमण्डल और अंतरिक्ष को अलग करने वाली काल्पनिक रेखा है जो समुद्रतल से 100 किमी की ऊंचाई पर स्थित है

प्रश्न 1.13 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर उपग्रह नौवहन प्रणाली, उपग्रहों की एक श्रृंखला है इसका उपयोग नौवहन, अवस्थिति जानने, कालन हेतु किया जाता है। उदाहरण – 'नाविक'।

प्रश्न 1.15 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर 'भुवन' इसरो द्वारा निर्मित एक वेब पोर्टल है जो भू-स्थानिक जानकारी (3-डी इमेजिंग) प्रदान कराता है। यह स्वदेशी है।

प्रश्न 1.14 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर कल्पना उपग्रह भारत का प्रथम मौसम उपग्रह है इसे इसरो ने PSLV की सहायता से 2002 में लॉन्च किया था।

प्रश्न 2.1

उत्तर प्रायद्वीपीय भारत प्राचीन गोण्डवानालैण्ड भूसंहिता का भाग है अत: यहाँ विभिन्न खनिज पदार्थ पाये जाते हैं जैसे कोयला, लोहा, बॉक्साइड, हीरा (पन्ना), मैंग्नीज, ताँबा, आदि सभी। यहाँ वन संपदा भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है यहाँ गेहूं, कपास, मोटे अनाज, तिलहन आदि की फसले होती है। यहाँ कृषि व वनआधारित उद्योगों का पर्याप्त विकास हुआ। यहाँ सड़को रेलमार्गो, बंदरगाहों, आदि का विकास हुआ। दक्षिण भारत मे उत्तर की अपेक्षा विज्ञान और प्रोद्योगिकी का अधिक विकास हुआ। समुद्री संसाधन उपलब्ध हैं।

प्रश्न 2.2.

उत्तर सतपुडा पर्वत श्रेणी का विस्तार नर्मदा नदी के दक्षिण में उसके समानान्तर राजपिपल्या (गुजरात) से अमरकंटक तक है। इसके तीन भाग है पश्चिमी सतपुडा, पूर्वी सतपुडा और मैकाल श्रेणी। सतपुड़ा की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ (1350 मी) है जो पचमढ़ी ~~पद~~ मे स्थित है। पचमढ़ी मे राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है। श्रेणी का सबसे निचला भाग ~~पातालपत्री पलाक्के~~ पातालकोट है। इस श्रेणी से ताप्ती, पेंच, वेनगंगा, नर्मदा, सोन, तवा आदि नदी उद्गमित होती है। पूर्वी सतपुड़ा साल के घने वनो के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 2.3

पू.M =05

उत्तर सुनामी साधारत: अन्त: सागरीय भूकंपों द्वारा उत्पन्न भूकंपों को कहते हैं। यह जापानी भाषा का शब्द है। सागर तली में विभिन्न कारणों से (भूकंप, भ्रंशन, ज्वालामुखी) अचानक परिवर्तन एवं अव्यवस्था के कारण सागरीय जल में लहरे उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हे सुनामी कहते है। यह जल की गति के साथ समस्त गहराई तक होती है। इसलिए ये अत्यंत विनाशकारी होती हैं।

प्रश्न 2.4

पू.M =05

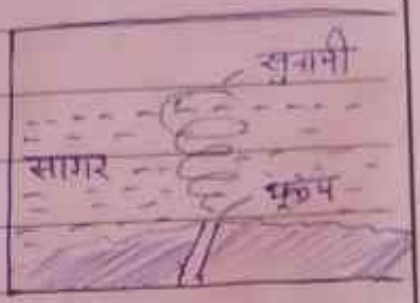

उत्तर भूकंप के दौरान फोकस से विभिन्न आवृत्ति व तरंग दैर्ध्य की तरंगों का संचरण होता है मुख्यत: P, S, L तरंगे होती है -

P तरंग → ये ध्वनि के समान संचरण करती है कणों का दोलन व संचरण दिशा समान होती है। ये ठोस, द्रव, गैस से गुजर सकती हैं।

S तरंग → यह अनुप्रस्थ तरंगे होती है यह केवल ठोस माध्यम में संचरण करती है।

L तरंग → यह धरातलीय तरंगे है जो तीनो माध्यम से गुजर सकती है। ये सर्वाधिक विनाशकारी है

प्रश्न 2.5

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. देश का सर्वाधिक वनाच्छादित राज्य है। अतः यहाँ वनों पर आधारित अर्थव्यवस्था का पर्याप्त विकास हुआ है। यहाँ ईमारती व फर्नीचर की लकड़ी के लिए सागौन, साल के वृक्ष पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यहां वनआधारित उद्योगो जैसे कागज उद्योग, फर्नीचर, उद्योग, लाख उद्योग, तेंदूपत्ता उद्योग, कुटीर उद्योग का पर्याप्त विकास हुआ है। म.प्र. में ईको-टूरिज़्म से भी आर्थिक लाभ हुआ है। वनों से बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध होते हैं। जनजातियो की जीविका वनोपज से प्राप्त होती हैं।

प्रश्न 2.6

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. खनिज नीति, 2010 के प्रमुख प्रावधान –

→ इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाये।
→ ~~अत्य~~ अत्याधुनिक तकनीक को प्रयोग मे लाया जाये
→ पर्यावरणीय व पारिस्थितिकी का ख्याल रखा जाये।
→ बहुमूल्य खनिजो की खोज को प्राथमिकता दें।
→ उच्चश्रेणी के खनिज व निम्न श्रेणी के खनिज के संयुक्त प्रयोग को बढ़ावा दिया जाये।
→ अवैध उत्खनन व परिवहन पर रोक लगाई जाये व सख्त कानूनी कार्यवाही का प्रावधान
→ आवेदन प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया जाये।

प्रश्न 2.7

उत्तर अटल भूजल योजना का क्रियान्वयन जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से देश के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों मे भूजल प्रबंधन में सुधार करना है। इस योजना मे भारत सरकार और विश्व बैंक की बराबर की भागीदारी है। यह योजना गुजरात, म.प्र. उ.प्र., महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान मे जल की कमी वाले क्षेत्रों में लागू है।

प्रश्न 2.8

उत्तर भारत में जलप्रबंध के मुख्य साधन –

① वैज्ञानिक सिंचाई तकनीके → ड्रिप इरिगेशन
② चेकडेम, तालाब, कुएं व बावड़ी का निर्माण
③ रेन वाटर हार्वेस्टिंग
④ जल शोधन यंत्र से सीवेज वाटर को रिसाइकल कर पुनः उपयोग में लाना।
⑤ नदी संरक्षण कार्यक्रम
⑥ अधिक से अधिक वर्षा जल को एकत्र कर।

प्रश्न 2.9

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर पृथ्वी के क्षेत्रों के बारे मे सूचना के संग्रहण, संचयन, विश्लेषण, संगठनो व प्रकीर्णन हेतु हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, डेटा, विशेषज्ञों व संस्थागत व्यवस्था के तंत्र को भौगोलिक सूचना तंत्र कहते है। किसी वस्तु की पृथ्वी पर भौगोलिक अवस्थिति के द्वारा संदर्भित लक्षणों के बारे मे किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए भौगोलिक सूचना तंत्र की तकनीक का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 2.10

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर मौसम उपग्रह वे उपग्रह होते हैं जो पृथ्वी के मौसम और जलवायु पर नजर रखने के लिए ध्रुवीय कक्षा या भू-स्थैतिक कक्षा मे स्थापित किये जाते है। मौसम संबंधी उपग्रह अन्य घटनाओं जैसे शहर की रोशनी, आग, प्रदूषण के प्रभाव, अरोरा, रेत और धूल के तुफान, बर्फ के आवरण, बर्फ की मैपिंग, महासागरीय जलधाराओं तथा अन्य पर्यावरणीय जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उदाहरण भारत के मौसम उपग्रह रीसैट -1, मेघाट्रॉपिक्स आदि है।

3.2

सांस्कृतिक क्षेत्र मे बौद्ध धर्म की अपूर्व देन है। संस्कृति का प्रत्येक पहलु इस धर्म से प्रभावित हुआ है। साहित्य का बौद्ध ने भी विकास किया। इस धर्म ने जनभाषा पाली को अनाया था, जिसके फलस्वरूप इस भाषा मे साहित्यिक ग्रंथों का निर्माण होने लगा। धीरे-धीरे पाली अन्तर्राष्ट्रीय भाषा बन गई। बौद्ध मठ व संघ शिक्षा और ज्ञान के केन्द्र बन गये। जनभाषा का अध्ययन इन मठो में किया जाने लगा।

भारतीय चित्रकला, स्थापत्य कला और मूर्तिकला का भी विकास इसी धर्म ने किया। चैत्य, स्तूप और गुफाओं का इस काल मे निर्माण हुआ जिससे स्थापत्य कला का विकास हुआ। महायान सम्प्रदाय ने मूर्ति कला का विकास किया और मूर्ति निर्माण की एक नयी शैली को जन्म दिया। अबतक भगवान बुद्ध की उपस्थिति उनके पदचिन्हों, बौद्ध-वृक्षो, सिंहासन, छत्र आदि लक्षणो से सूचित की जाती थी। लेकिन महायान शाखा वालो ने मूर्ति पर विश्वास कर उनकी उपासना प्रारंभ की। इस प्रकार की मूर्तियां गांधार शैली में बनायी जाती थी। गांधार शैली को कभी-कभी ग्रीकबौद्ध या इण्डो हेलेनिक शैली भी कहा जाता है। अधिकतर बौद्ध प्रतिमाएं अपोलो की आकृति से मिलती जुलती है। इस काल के पश्चात बुद्ध बोधिसत्वों की असंख्य मूर्तिया भारत मे बनने लगी। अजंता की चित्रकारी, कार्ले के गुहा मंदिर, सांची, अमरावती और भरहुत के स्तूप बौद्ध कला का अन्यतम नमूना प्रस्तुत करते है। इनकी कलाकृतियाँ अपने सौन्दर्य एवं सौष्ठव मे अद्वितीय है।

3.2 प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1766 - 1769 ई.) मद्रास सरकार द्वारा दक्षिण की राजनीति में भाग लेने के कारण हुआ। अंग्रेजों ने मराठा और निजाम को अपने समर्थन में लेकर मैसूर पर आक्रमण किया परन्तु हैदर अली ने कूटनीति का सहारा लेकर मराठा और निजाम को अंग्रेजो से पृथक कर दिया। 1768 में हैदरअली ने मद्रास पर आक्रमण किया तब अंग्रेज हैदर अली संधि करने पर बाध्य हो गये। मद्रास की संधि से यह युद्ध समाप्त हुआ। संधि में अंग्रेजो ने मैसूर पर किसी आक्रमण के समय मैसूर को सहायता देगा।

द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780 - 84 ई) मद्रास की संधि की शर्तों का अंग्रेजो द्वारा न मानने पर हुआ। इस युद्ध में मराठा व निजाम हैदर अली का समर्थन कर रहे थे। इस त्रिपक्षीय शक्ति से निपटने के लिए वारेन हेस्टिंग ने आयरकूट को भेजा, जिसने कूटनीती से मराठा व निजाम को हैदर अली से अलग करदिया। 1781 में हैदरअली पोर्टोनोवा के युद्ध में आयरकूट से हार गया, 1782 में हैदरअली की मृत्यु हो गई। तब टीपू ने संघर्ष जारी रखा और मंगलौर की संधि से युद्ध समाप्त हुआ। संधि में अंग्रेजों ने मैसूर के मामले में हस्तक्षेप न करने की बात कही।

तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790 - 92 ई) का तात्कालिक कारण टीपू सुल्तान का अंग्रेजो का मित्र राज्य त्रावणकोर पर हमला करना था। लॉर्ड कार्नवालिस ने युद्ध की घोषणा करदी। युद्ध श्री रंगपट्टनम की संधि से समाप्त हुआ। संधि के तहत आधा मैसूर अंग्रेजो के हाथ हो गया। टीपू को इस युद्ध हर्जाने स्वरूप 30 लाख पौंड के साथ अपने दो पुत्र बंधक स्वरूप अंग्रेज को दिये।

चतुर्थ व अंतिम आंग्ल मैसूर युद्ध (1799 ई) श्रीरंगपट्टनम की अपमान जनक संधि तथा लॉर्ड वेलेजली की विस्तारवादी नीति का परिणाम था। इस युद्ध में मैसूर का शेर कहा जाने वाला टीपू सुलतान संघर्ष करते हुए मारा गया। और संपूर्ण मैसूर ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन हो गया।

3.3 भारतीयों ने साइमन कमीशन का विरोध किया क्योंकि उसमें कोई भारतीय शामिल नहीं था। इसलिए भारत सचिव बे बर्केनहेड ने भारतीयों के समक्ष यह चुनौती पेश की कि वे यदि सभी दलों की सहमति से स्वयं का संविधान बना लेंगे तो ब्रिटिश सरकार इस पर विचार कर सकती है।

कांग्रेस ने इस चुनौती को स्वीकारते हुए दिल्ली में एम. एस. अंसारी की अध्यक्षता में एक सर्वदलिय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें 29 संगठनों ने भाग लिया। सम्मेलन में मई 1928 को मोतिलाल नेहरू की अध्यक्षता मे एक 9 सदस्यीय समिति बनाई जिसे नेहरू समिति कहा गया तथा इसके द्वारा दी गई रिपोर्ट को नेहरू रिपोर्ट कहा गया।

नेहरू रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशें —

1) भारत को अधिराज्य का दर्जा दिया जाये।
2) द्विसदनीय विधायिका का गठन किया जाये।
3) भारतीयों को मौलिक अधिकार दिये गये।
4) साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त किया जाये।
5) बंगाल व पंजाब में सीट आरक्षित न की जाये, केवल वहीं की जाऐं जहाँ मुस्लिम 10% से कम हो।
6) भारत में संघीय प्रणाली लागू हो जिसमें अवशिष्ट शक्तियां केन्द्र के पास हो।
7) सर्वोच्च न्यायालय स्थापित की जाये।

इस रिपोर्ट का विरोध मुस्लिम लीग, जिन्ना, हिंदूमहासभा कर रही थी। साथ ही युवा नेता सुभाषचंद्र बोस, जवाहर लाल नेहरू कर रहे थे अतः रिपोर्ट अस्वीकृत हो गई। इस रिपोर्ट का महत्व इस बात में है कि यह भारतीयों द्वारा संविधान निर्माण का पहला प्रयास था।

3.4.

पर्यटन स्थल किसी भी राज्य की सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ-साथ उस राज्य की विशिष्ट पहचान भी होती है। मध्यप्रदेश में अनेक पर्यटन स्थल अवस्थित है। यह रमणीय स्थल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते है। साथ ही साथ राज्य की आय में भी वृद्धि करते है। म०प्र० में पर्यटन के अन्तर्गत महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक और स्वास्थ्यवर्धक स्थान, पुरातात्विक गुफाएँ मनोहर जलप्रपात, महत्वपूर्ण दुर्ग और किले प्रमुख महल वन्यजीव आवास स्थान जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य तथा जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं। म०प्र० में प्राकृतिक हरियाली मौजूद है जिससे ईको-टूरिज्म का विकास संभव है राज्य की अर्थव्यवस्था में ईको-टूरिज्म से 21 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ।

म०प्र० के प्रमुख पर्यटन स्थल –

1. खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिर व शिल्पकला
2. सांची के विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप
3. ओंकारेश्वर का ज्योतिर्लिंग, ममलेश्वर मंदिर,
4. उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर।
5. उदयगिरी की गुफाएं

(6) चित्रकूट
(7) भीमबैठका के शैलाश्रय
(8) आदमगढ
(9) रायसेन दुर्ग
(10) ग्वालियर दुर्ग
(11) मांडु
(12) चंदेरी
(13) ओरछा
(14) जबलपुर (भेड़ाघाट)
(15) इंदिरा गांधी बांध
(16) होम-स्टे
(17) बुरहानपुर (असीरगढ़)

म०प्र० मे पर्यटन की अपार संभावनाऐं हैं। पर्यटन से रोजगार सृजन होता है। तथा अर्थव्यवस्था मे वृद्धि होती है। पर्यटन को ओर बढाने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना चाहिए, पर्यटकों के लिए सुविधाए उपलब्ध कराना चाहिए, पर्यटक पर्यटन स्थल तक आसान पहुँच सुनिश्चित करना चाहिए। पर्यटन क्षेत्रो का विकास करना।

3.-

8.5.

देवी अहिल्या बाई का जन्म 1725 ई में महाराष्ट्र के चोंडी गांव में माणिक शिंदे के यहाँ हुआ था । 1733 ई में मालवा के शासक मल्हार राव होल्कर पुना से इंदौर लौट रहे थे इसी दौरान वे चोंडी में एक मंदिर में रुके जहाँ उनकी मुलाकात अहिल्याबाई से हुई । उन्होंने अपने पुत्र खण्डेराव होल्कर का विवाह अहिल्याबाई से कर दिया ।
अहिल्याबाई की दो संताने थी मालेराव और मुक्तबाई ।

1754 में भरतपुर शासक सूरजमल जाट से कुम्भेरी के युद्ध में तोप का गोला लगने से खण्डेराव की मृत्यु हो गई बाद में 1766 में मल्हारराव होल्कर का भी निधन होगया तब एक वर्ष के लिए मालेराव मालवा का शासक बना परंतु व्यसनी प्रवृत्ति का होने से कारण उसकी भी मृत्यु हो गई । तब देवी अहिल्याबाई ने विश्वसनीय सेनापति तुकोजीराव प्रथम की सहायता से शासन किया ।

एक महिला शासक को पाकर सतारा का पेशवा राघोबा ने मालवा पर आक्रमण कर दिया । 1768 में घोड़प के युद्ध में वह हार गया । अहिल्याबाई ने महेश्वर को अपनी राजधानी (1766-69) बनाया । यहाँ महेश्वर का किला राजराजेश्वरी मंदिर, अहिलेश्वर मंदिर, नर्मदा तट पर पक्काघाट व अहिल्याघाट बनवाया ।
देवी अहिल्याबाई 1784 में इंदौर राजकीय कार्य से आयी, यहाँ लोककल्याण के कार्य किये, तालाब, बावड़ी, सड़क बनवाई, छायादार वृक्ष लगवाये । उनके कल्याकारी कार्य, न्याय प्रजा प्रेम व समरसता के कारण उन्हे देवी तुल्य माना जाता था । 1795 ई. शिवभक्त देवी अहिल्याबाई पंचतत्व में विलीन हो गई ।